University in News on 23 February 2022

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष
100 Years 1920-2020

UNIVERSITY OF LUCKNOW

TRUE TIMES PAGE 1

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा एक नई पहल जिसे 'वीसी केयर फंड' से जाना जाएगा

ट्रू टाइम्स संवाददाता

उच्च शिक्षा को अक्सर आर्थिक प्रगति एवं मानव विकास का एक प्रमुख साधन माना जाता है । उच्च शिक्षा एकमात्र ऐसा तंत्र है जो सामाजिक और आर्थिक रूप से निर्बल लोगों का भी उत्थान कर उन्हें सशक्त बनाता है। इस हेतु, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मे सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों (एसईडीजी) के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की उप-धारा 14.3 तहत उच्च शिक्षा मे वित्तीय बाधाओं के कारण वंचित छात्रों को ध्यान मे रखते हुए आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा एक नई पहल की जा रही है जिसे 'वीसी केयर फंड' से जाना जाएगा । इसमे विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध कॉलेजों में छात्रों को शामिल कर उनकी शिक्षा के दौरान जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। प्रो. राय ने अपनी नीति और क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। सदस्यों में शामिल हैं प्रो. एम.के. अग्रवाल, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग; संजय मेधावी, विभागाध्यक्ष, व्यवसाय प्रशासन विभाग; और रत्नेश भारती, विश्वविद्यालय के अकाउंट अधिकारी। विधिवत गठित समिति की सिफारिशों को कार्यान्वयन से पहले अनुमोदन के लिए वित्त समिति के समक्ष रखा जाएगा। विश्वविद्यालय के सभी हितधारक जैसे पूर्व छात्र, शिक्षक, कर्मचारी, सामुदायिक समूह, उद्योग और पेशेवर योगदान कर सकते हैं और इस कारण के लिए धन जुटाने के लिए दान कर सकते हैं। सृजित और वितरित किए गए फंड का सालाना ऑडिट भी किया जाएगा। यह प्रयास छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली फीस भुगतान के मुद्दों को कम करेगा, और जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। लखनऊ, हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली और सीतापुर के पांच जिलों में विश्वविद्यालय परिसर और 500 से अधिक संबद्ध कॉलेजों के लगभग तीन लाख छात्र इस पहल से लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय के पास पहले से ही गरीब छात्र सहायता कोष है जिसका नाम बदलकर अब छात्र कल्याण निधि कर दिया गया है, तीन नई योजनाओं कर्मयोगी योजना, छात्र कल्याण छात्रवृत्ति और शोध मेधा छात्रवृत्ति के माध्यम से छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। हालाँकि, पिछले दो वर्षों में, ण्छ्ळ्ठ के दौरान कई छात्रों को वित्तीय मुद्दों का सामना करना पड़ा जैसे उनमें से कुछ ने अपने माता-पिता को खो दिया और कुछ परिवारों ने रोटी कमाने वालों की नौकरी खो दी या आय महामारी के दौरान गिर गई। प्रो. राय ने ण्छ्ळ्ठ अनाथों के लिए एक योजना शुरू की 'अर्पण - एक दिमाग को अपनाना' जिसे शिक्षकों, पूर्व छात्रों और भारत में और साथ ही विदेशों में काम करने वाले शोध विद्वानों द्वारा समर्थित किया गया था और ऐसे छात्रों को सभी प्रकार की वित्तीय और नैतिक सहायता प्रदान की गई थी।

प्रो. राय ने ण्छ्ळ्ठ अनाथों के लिए एक योजना शुरू की 'अर्पण - एडाप्ट ओं ब्रेन' जिसे शिक्षकों, पूर्व छात्रों और भारत में और साथ ही विदेशों में काम करने वाले शोध विद्वानों द्वारा समर्थन मिला था और ऐसे जरूरतमंद छात्रों को सभी प्रकार की वित्तीय और नैतिक सहायता प्रदान की गई थी। इस योजना के तहत प्रो राय ने खुद बीबीए के एक छात्र को गोद लिया था और प्रो दिनेश शर्मा ने इस योजना के तहत एक कॉमर्स छात्र को सहयोग प्रदान किया था। विश्वविद्यालय ने यह महसूस किया कि विश्वविद्यालय के साथ-साथ संबद्ध कॉलेजों में वंचित छात्रों की संख्या बहुत अधिक है और न केवल ट्यूशन फीस के भुगतान का सहयोग करने के लिए बल्कि उनकी चिकित्सा और अन्य जरूरतों का भी ध्यान रखने के लिए अधिक धन की आवश्यकता है। इस प्रकार, वीसी केयर फंड राज्य विश्वविद्यालयों की स्थापना के उद्देश्य को संबोधित करेगा और मानव विकास और शिक्षित समाज के निर्माण में अहम योगदान देगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 8

लविवि शुरू करेगा वीसी केयर फंड

कमजोर विद्यार्थियों के सहयोग के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की महत्वपूर्ण पहल

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि प्रशासन वीसी केयर फंड शुरू करेगा। इसका उद्देश्य कमजोर विद्यार्थियों, खासकर आर्थिक संकट के चलते बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने वाले छात्रों की मदद करना है, ताकि वे निर्बाध पढ़ाई पूरी कर सकें। यह नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत शिक्षा में वित्तीय बाधाओं के कारण वंचित छात्रों को सहयोग करने की कवायद भी है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि वीसी केयर फंड की शुरुआत का उद्देश्य विवि और संबद्ध कॉलेजों के जरूरतमंद छात्रों को शिक्षा के दौरान वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इसे नए सत्र 2022-23 से प्रभावी बनाया जाएगा। इसके लिए नियम-कानून बनाने को तीन सदस्यीय समिति गठित की है। इसमें अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. एमके अग्रवाल, व्यवसाय प्रशासन विभागाध्यक्ष डॉ. संजय मेधावी व अकाउंट अधिकारी रत्लेश्वर भारती शामिल हैं।

इस समिति की सिफारिशों को लागू करने से पहले अनुमोदन के लिए वित्त समिति में भी रखा जाएगा। इसके लिए एकत्र और वितरित किए गए फंड का सालाना ऑडिट भी किया जाएगा। प्रो. राय ने कहा कि कोविड-19 के दौरान काफी विद्यार्थियों ने अपने अभिभावक को खोया है और कइयों की आय प्रभावित हुई है। ऐसे में वे समय से अपनी फीस जमा करने में दिक्कत महसूस कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के साथ-साथ संबद्ध कॉलेजों में वंचित छात्रों की संख्या बहुत अधिक है। उनकी न केवल ट्यूशन फीस के भुगतान उनकी चिकित्सा और अन्य जरूरतों का भी ध्यान रखने की आवश्यकता है। इसे देखते हुए वीसी केयर फंड की स्थापना होगी। यह प्रयास ऐसे छात्रों की फीस भुगतान की समस्या को कम करेगा। बता दें कि वर्तमान सत्र से विश्वविद्यालय से हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली और सीतापुर के भी कॉलेज जुड़े हैं। इन सभी जिलों के संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थी इस पहल से लाभान्वित होंगे।

प्रो. आलोक कुमार राय

कोई भी दे सकेगा सहयोग

विवि प्रशासन के अनुसार इस कवायद को बेहतर तरीके से संचालित करने के लिए पूर्व छात्र, शिक्षक, कर्मचारी, सामुदायिक समूह, उद्योग और पेशेवर अपना योगदान कर सकते हैं। इसके लिए धन जुटाने को दान भी कर सकते हैं।

पहले से चल रहीं तीन योजनाएं

पिछले दो वर्षों में कोविड के दौरान कई छात्रों को वित्तीय दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। इसे देखते हुए भी विवि की ओर से अर्पण नाम की योजना शुरू की गई। जिसमें शिक्षकों, पूर्व छात्रों और अन्य लोगों द्वारा ऐसे छात्रों को वित्तीय और नैतिक सहायता प्रदान की गई थी। खुद कुलपति ने बीबीए के एक छात्र को गोद लिया और उपमुख्यमंत्री प्रो. दिनेश शर्मा ने कॉमर्स के छात्र को सहयोग प्रदान किया था।

लविवि में मेधावियों का हुआ सम्मान

लखनऊ। लविवि के छात्रों द्वारा शुरू की गई साहित्यिक पहल 'काव्योम' की ओर से गणतंत्र दिवस पर 'भारतवाणी' का आयोजन किया गया था। इसमें ऑनलाइन निबंध, काव्य लेखन, काव्य वाचन, पोस्टर, भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। इसमें हर विधा से तीन विजेताओं का चयन किया गया था। मंगलवार को डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने भाषण प्रतियोगिता में प्रथम रहे आर्यन मिश्रा, पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम राजेश कुमार वर्मा आदि को प्रणामपत्र दिया। इस दौरान काव्योम समन्वयक जय सिंह, अक्षय प्रताप सिंह, अर्पित कटियार, अभिषेक मिश्रा, मांडवी वर्मा, वर्तिका तिवारी, आभा ओझा, शिवम पांडेय, आयुष शुक्ला आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMRIT VICHAR PAGE 6

वीसी केयर फंड से छात्रों को मिलेगी मदद

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने गरीब छात्रों की मदद के लिए नई पहल की है। इसके तहत कुलपति एक नया फंड बनाने जा रहे हैं। इसे 'वीसी केयर फंड के नाम से जाना जाएगा। इसके क्रियान्वयन के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बना बनाई गई है। इस फंड से गरीबी के चलते उच्च शिक्षा से वंचित रहने वाले छात्रों को वित्तीय मदद दी जाएगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों (एसईडीजी) के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की उप धारा 14.3 तहत पैसे के अभाव की वजह से उच्च शिक्षा से वंचित होने वाले छात्रों को ध्यान में रखते हुए 'वीसी केयर फंड बना रहे हैं। इसमें विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध कॉलेजो में छात्रों को शामिल कर उनकी शिक्षा के दौरान जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस फंड की नीति और क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। इसमें अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एम.के. अग्रवाल, व्यवसाय प्रशासन विभाग के अध्यक्ष डॉ. संजय मेधावी और विश्वविद्यालय के एकाउंटेंट रत्नेश्वर भारती को शामिल किया गया है।

नई पहल

- लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों को पढ़ाई के लिए दी जाएगी वित्तीय मदद

विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विधिवत गठित समिति की सिफारिशों को कार्यान्वयन से पहले अनुमोदन के लिए वित्त समिति के समक्ष रखा जाएगा। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, शिक्षक और कर्मचारी के अलावा सामुदायिक समूह, उद्योग एवं पेशेवर लोग फंड में दान कर सकते हैं। इस फंड का सालाना ऑडिट भी किया जाएगा। इससे गरीब छात्रों को फीस देने के लिए व पढ़ाई की अन्य जरूरतों के अलावा चिकित्सा आवश्यकता सहित अन्य जरूरतों के लिए वित्तीय सहायता दी जायेगी।

i-NEXT PAGE 5

गरीब छात्रों के लिए बना वीसी केयर फंड

एलयू से जुड़े चार जिलों के छात्रों को भी मिलेगा लाभ

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(22 Feb): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने गरीब छात्रों की मदद के लिए नई पहल की है. इसके तहत वीसी एक नया फंड बनाने जा रहे हैं. इसे वीसी केयर फंड के नाम से जाना जाएगा. इसके क्रियान्वयन के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बना दी है.

संबद्ध कॉलेज भी होंगे शामिल

लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों एसईडीजी के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति की उपधारा 14.3 तहत पैसे के अभाव की वजह से उच्च शिक्षा से वंचित होने वाले छात्रों को ध्यान में रखते हुए वीसी केयर फंड बना रहे हैं. इसमें यूनिवर्सिटी और उसके संबद्ध कॉलेजों में छात्रों को शामिल कर उनकी शिक्षा के दौरान जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी.

JAGRAN CITY PAGE III

अब लखनऊ विश्वविद्यालय देगा 'वीसी केयर फंड' की सुविधा

जास, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही अपने विद्यार्थियों के लिए समाज के योगदान के साथ 'वीसी केयर फंड' योजना की शुरुआत करेगा। इसके अंतर्गत पढ़ाई व आर्थिक समस्या से जूझ रहे विद्यार्थियों की मदद की जाएगी। कोई भी व्यक्ति इस फंड में योगदान कर सकता है। इस नई सुविधा को शुरू करने के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है, जो इसके बायलाज आदि पर काम कर रही है। नए सत्र से इसे शुरू करने की तैयारी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के राजधानी सहित हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी व रायबरेली में पांच सौ से ज्यादा महाविद्यालय संबद्ध हैं, जिनमें करीब तीन लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि बहुत से विद्यार्थी आर्थिक समस्या के चलते फीस माफ कराने के लिए आते हैं। वहीं, कोरोना काल के चलते कई विद्यार्थियों को वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ा था। कुछ ने तो अपने माता-पिता को भी खो दिया और कुछ परिवारों की नौकरी चली गई थी। ऐसे में विश्वविद्यालय के पास इस तरह का कोई फंड भी नहीं है, जिससे इन विद्यार्थियों की मदद की जा सके।

समिति से ली जाएगी मंजूरी

कुलपति ने बताया कि वीसी केयर फंड शुरू करने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। इसमें अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एमके अग्रवाल, एमबीए के हेड संजय मेधावी और लेखाधिकारी रत्नेश्वर भारती को शामिल किया गया है। इस सुविधा को शुरू करने के लिए तैयार किए गए नियमों और मानकों को वित्त समिति व कार्य परिषद में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। वीसी केयर फंड में कोई भी शिक्षक, पूर्व विद्यार्थी या समाज के लोग जुड़कर मदद कर सकते हैं।

PIONEER PAGE 5

निर्धन छात्रों की मदद करेगा वीसी केयर फंड

लखनऊ। आर्थिक समस्याओं के चलते उच्च शिक्षा की पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले छात्रों के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक अच्छी पहल शुरू की है। इसके लिए आर्थिक मदद को लेकर विवि ने एक वीसी केयर फंड का गठन किया है। इस फंड से वित्तीय बाधाओं के कारण वंचित छात्रों की मदद की जायेगी। जिससे उनकी पढ़ाई पूरी हो सके। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने फंड के संचालन को लेकर गाइडलाइन तैयार करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। वीसी केयर फंड के लिए गठित समिति में अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो एमके अग्रवाल, व्यवसाय प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. संजय मेधावी और एकाउंट आफिसर रत्नेश्वर भारती को शामिल किया गया है। कमेटी की सिफारिशों को क्रियान्वयन से पूर्व वित्त समिति के समक्ष रखा जायेगा। इस फंड में विवि के पूर्व छात्र, शिक्षक, कर्मचारी, सामुदायिक समूह, उद्योग और पेशेवर योगदान कर सकते हैं और इस कारण के लिए धन जुटाने के लिए दान कर सकते हैं। सृजित और वितरित किए गए फंड का सालाना ऑडिट भी किया जाएगा। विवि स्तर पर इस पहल से लखनऊ, हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली और सीतापुर के पांच जिलों में विश्वविद्यालय परिसर और 500 से अधिक संबद्ध कॉलेजों के लगभग तीन लाख छात्र इस पहल से लाभान्वित होंगे। बता दें कि विश्वविद्यालय के पास पहले से ही गरीब छात्र सहायता कोष है जिसका नाम बदलकर अब छात्र कल्याण निधि कर दिया गया है, तीन नई योजनाओं कर्मयोगी योजनाए छात्र कल्याण छात्रवृत्ति और शोध मेधा छात्रवृत्ति के माध्यम से छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

एलयू इंजीनियरिंग संकाय के 10 छात्रों का यूएस बेस्ड कंपनी में प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा फरवरी में आयोजित वर्चुअल प्लेसमेंट ड्राइव में 10 छात्रों का चयन अमेरिकन कंपनी कोलैबेरा मे हुआ है। चयनित छात्रों शिवांगी पांडेय, यश श्रीवास्तव, जय मिश्रा, वंशिता शुक्ला, माज़ हुसैन, अस्मा रज़ा, दीप शेखर, मानसी गुप्ता, रजत यादव, शिवानी श्रीवास्तव को कंपनी ने टैलेंट स्पेशलिस्ट के पद पर 3.6 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज ऑफर किया है।

FINANCIAL EXPRESS PAGE 2

Lucknow varsity plans fund for students in need

THE UNIVERSITY OF Lucknow is planning to launch VC Care Fund, an initiative under the National Education Policy that will provide financial assistance to the institution's students in need. The fund also aims to mitigate opportunity costs and fees payment issues faced by the students.